IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उद्यमिता वर्ग की कामकाजी महिलाओं का मोबाइल बैंकिंग से धन का लेनदेन करने की प्रवृत्ति का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Research scholar

Rekha Khandelwal

Department in commerce

Research guide Dr. Mini

Amit Arrawatia

तकनीकी शब्दावली

महिलाएं. उद्यमिता. डिजिटल. नवाचार. साइबर. सुरक्षा।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में आज संचार प्रौद्योगिकी नवीन तकनीकी का समय है। जिसके अंतर्गत महिला उद्यमिता अपनी अहम भूमिका निभा रही है। उद्योग वर्ग वह महिलाएं होती हैं जिनका किसी न किसी व्यवसाय या रोजगार सृजन के किसी माध्यम से अर्थात नवीन स्वरोजगारमुखी उद्यमिता के जुड़ने से है अर्थात वह महिलाएं होती हैं जो स्वयं के स्तर पर अपने कार्य को करते हैं तथा अन्य महिलाओं को भी इसमें अवसर प्रदान करती हैं कार्य करने का अर्थात किसी को कार्य करने की प्रक्रिया समझा कर रोजगार सृजन करना इनका उद्देश्य होता है। यह महिलाएं समाज को आगे बढ़ाने में तथा भारत की आर्थिक स्थिति में विशेष योगदान निभाती है इनका उद्देश्य रोजगार को बढ़ावा देना तथा कार्य करने की प्रवृत्ति को नवाचार से जोड़ना होता है गरीबों को काम करके छोटे-छोटे बच्चों को एकत्र करके एक छोटा सा व्यवसाय जैसे कुटीर लघु

उद्योग हथकरघा उद्योगों को बढ़ावा देना होता है। कृषिगत कार्यों को भी बढ़ावा देकर यह ग्रामीण विकास में भी योगदान देती हैं।

आज की महिला घर तक ही सीमित नहीं है वह घर से बाहर जाकर भी अपना कार्य करती है और जीडीपी में देश की जीडीपी में अपना योगदान दे रही है आज महिला सभी क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। जैसे चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा बैंकिंग सुविधा वित्तीय आर्थिक योगदान शिक्षा का क्षेत्र वैज्ञानिक अनुसंधान रिसर्च में भी भूमिका निभा रही है। आज महिलाएं ऑनलाइन शिक्षा देकर भी व्यवसाय करती हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रही है वह खुद भी आत्मनिर्भर बन रही है और सभी महिलाओं को इसके लिए प्रेरित कर रही है।

एक महिला ही है जो एक परिवार एक समाज एक देश एक राष्ट्र को एक साथ दिए हुए चलती है तथा अपने पारिवारिक सहयोग के साथ-साथ अपने आत्मनिर्भर बनने में भी आगे बढ़ रही है इसके अंतर्गत वह शिक्षा स्वास्थ्य चिकित्सा आदि विभिन्न क्षेत्रों में अर्थात उद्योगों में भी आगे अपनी भूमिका निभा रही है स्वयं का व्यवसाय करने में आत्मनिर्भर हो रही है और देश की विभिन्न ग्रामीण शहरी महिलाओं को भी इससे जोड़ रही है।

अर्थात शोध पत्र में शोधार्थी ने उद्यमिता वर्ग के अंतर्गत

ग्रामीण तथा शहरी महिलाओं को लिया है जिसमें उसने यह जानने की कोशिश की है कि इन महिलाओं को उद्यमिता करते समय किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तथा वह उनसे जूझकर भी अपने व्यवसाय को सफल बनाकर देश के अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं इसकी चर्चा की गई है।

उद्देश्य

समस्त उद्यमी वर्ग की महिलाओं का मोबाइल बैंकिंग के क्षेत्र में योगदान।

एकल परिवार के उद्योग महिलाओं का मोबाइल बैंकिंग से धन का लेनदेन ।

संयुक्त परिवार की उद्यमी महिलाओं का मोबाइल बैंकिंग में रुचि।

उद्यमी महिलाओं का डिजिटल साक्षरता में योगदान।

उद्यमी महिलाओं का आत्मनिर्भर होना।

उद्यमी वर्ग की महिलाओं का डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूक होना।

चर्चा में उभरते हुए प्रश्न

1 शहरी तथा ग्रामीण वर्ग के उद्यमी महिलाओं का मोबाइल बैंकिंग से धन का लेनदेन करने की प्रवृत्ति कितनी है।

2 शहरी तथा ग्रामीण वर्ग के उद्यमी महिलाओं को डिजिटल शिक्षा की कितनी जानकारी है।

3 उद्यमी वर्ग की महिलाओं का धन का लेनदेन की स्वतंत्रता कितनी है।

डाटा एकत्रीकरण

शोधार्थी ने इसमें शहरी वर्ग की 30 महिलाओं को तथा ग्रामीण वर्ग की 30 महिलाओं पर चर्चा की है। तथा प्रश्नावली के माध्यम से परिणाम निष्कर्ष निकला है।

उपकरण

शोधार्थी ने इसमें स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग करते हुए चर्चा में प्रश्न उभरते हुए उनका जवाब को बताया है।

उभरने वाले प्रश्नों का समाधान

पहली समस्या तो यह की शहरी वर्ग की तथा ग्रामीण वर्ग महिलाओं को मोबाइल बैंकिंग से धन का लेनदेन की कितनी प्रवृत्ति है। इसमें यह प्राप्त हुआ कि शहरी वर्ग की महिलाएं मोबाइल बैंकिंग से धन का लेनदेन आसानी अर्थात आसानी से

कर रही है लेकिन ग्रामीण वर्ग की महिलाओं को कुछ समस्याओं का सामना करने के कारण उनका मोबाइल बैंकिंग से धन का लेनदेन नहीं हो रहा है अर्थात वह धन का हस्तांतरण आसानी से नहीं कर पा रही है।

दूसरी समस्या यह सामने आई कि दोनों ही वर्ग की उद्यमी महिलाओं को डिजिटल साक्षरता है या नहीं। इसमें हमने देखा कि शहरी वर्ग की महिलाओं को तो डिजिटल साक्षरता का ज्ञान मिल रहा है लेकिन ग्रामीण वर्ग की महिलाओं को डिजिटल साक्षरता का ज्ञान नहीं हो पा रहा है क्योंकि वहां पर इंटरनेट की असुविधा अर्थात बिजली समस्या आर्थिक वित्तीय समस्या आदि सुविधाओं का अभाव है इसीलिए ग्रामीण वर्ग की महिलाओं को डिजिटल साक्षरता नहीं मिल पा रही है।

तीसरा प्रश्न यह चर्चा में था कि शहरी तथा ग्रामीण वर्ग की महिलाओं को धन के लेनदेन की स्वतंत्रता है या नहीं इसमें ज्ञात हुआ कि शहरी भर के महिलाओं को तो कहीं-कहीं स्वतंत्रता है लेकिन ग्रामीण वर्ग की महिलाओं को आज भी पुरुषों पर निर्भर होना पड़ता है आज भी वह अपने निर्णय स्वतंत्रता से नहीं ले पाती है और वित्तीय सलाहकार में भूमिका नहीं निभाती है इससे वेदन का लेनदेन करने में सक्षम नहीं है।

मोबाइल बैंकिंग को अपनाने के कारण

समय की बचत

धन की विधि स्वतंत्रता के लिए आवश्यक

डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए ।

महिलाओं को जागरूक करना ।

महिलाओं को डिजिटल साक्षरता प्रदान करना डिजिटल शिक्षा देना ।

आर्थिक बढ़ावा देना ।

शिक्षा वर्ग के स्तर को और अधिक उच्च बनाना।

प्रौद्योगिकी तकनीकी तथा नवाचार को बढ़ावा।

आवश्यक सुविधाओं को सरलता से बनाने के लिए।

मोबाइल बैंकिंग की उपयोगिता

सभी खातों की जानकारी घर बैठे प्राप्त कर लेना।

निवेश को बढ़ावा देने के लिए।

बच्चों को प्रोत्साहन करने हेतु।

ऑनलाइन खरीदारी में सहायक।

विभिन्न बिलों के भुगतान में सहायक।

किस्त भुगतान में सहायक।

घर का किराए की राशि देने में सुविधा।

अधिक नकद राशि रखने की आवश्यकता नहीं होती है

उद्यमी वर्ग की महिलाओं की समस्याएं

ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट की समस्या

मोबाइल चलाने की प्रक्रिया को समझना आसान नहीं होता है।

साइबर धोखाधड़ी से डरना।

पारिवारिक समस्या।

अधिक समय तक पासवर्ड को सुरक्षित नहीं रख पाना।

तकनीकी शिक्षा की कमी।

अंत में परिणाम स्वरुप निष्कर्ष स्वरूप हम कह सकते हैं कि युवा वर्ग की महिलाएं तो मोबाइल बैंकिंग से धन का लेन-देन आसानी से कर रही है और इसी में उद्यमी वर्ग की महिलाएं जो अपना व्यवसाय करती है वह भी आसानी से मोबाइल बैंकिंग का उपयोग कर रही है लेकिन शहरी वर्ग और ग्रामीण वर्ग दोनों में एक विशेष अंतर पाया गया है। शहरी भर की महिला तो ज्यादातर मोबाइल बैंकिंग का उपयोग कर रही है अर्थात आगे भी समझ रही है और आगे भी बढ़ रही है लेकिन ग्रामीण वर्ग की महिलाएं तकनीकी शिक्षा की कमी के कारण नेटवर्क की कमी के कारण सुविधाओं का अभाव होने की स्थिति में मोबाइल बैंकिंग से धन का लेनदेन नहीं कर पा रही है अर्थात बहुत कम प्रतिशत में महिलाएं देखने को मिली है जो कि मोबाइल बैंकिंग का उपयोग कर रही है मुख्य कारण परिवार में महिलाओं की भागीदारी न हो पाना अर्थात पुरुषों की चलना इसका मुख्य कारण है पुरुष ही धन का लेनदेन करते हैं महिलाएं नहीं करती है आज भी ग्रामीण वर्ग कृषि पर निर्भर होने के कारण महिलाएं केवल घर का कामकाज कृषि का कार्य आदि सब करती है लेकिन उनका धन का निर्णय लेने की स्वतंत्रता आज भी नहीं है

सुझाव

ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट की उचित व्यवस्था करनी होगी।

ग्रामीण वर्ग की सभी महिलाओं को तकनीकी शिक्षा दिलानी होगी।

अधिक से अधिक मेल प्रदर्शनियों का आयोजन करना होगा

हथकरघा उद्योगों को बढ़ावा देना होगा।

डिजिटल वित्तीय साक्षरता वाले कार्यक्रमों को चलना होगा।

सभी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

https://www.jagran.com

https://www.sales force.com.

https://www.patrika.com.

https://www.inf.org.